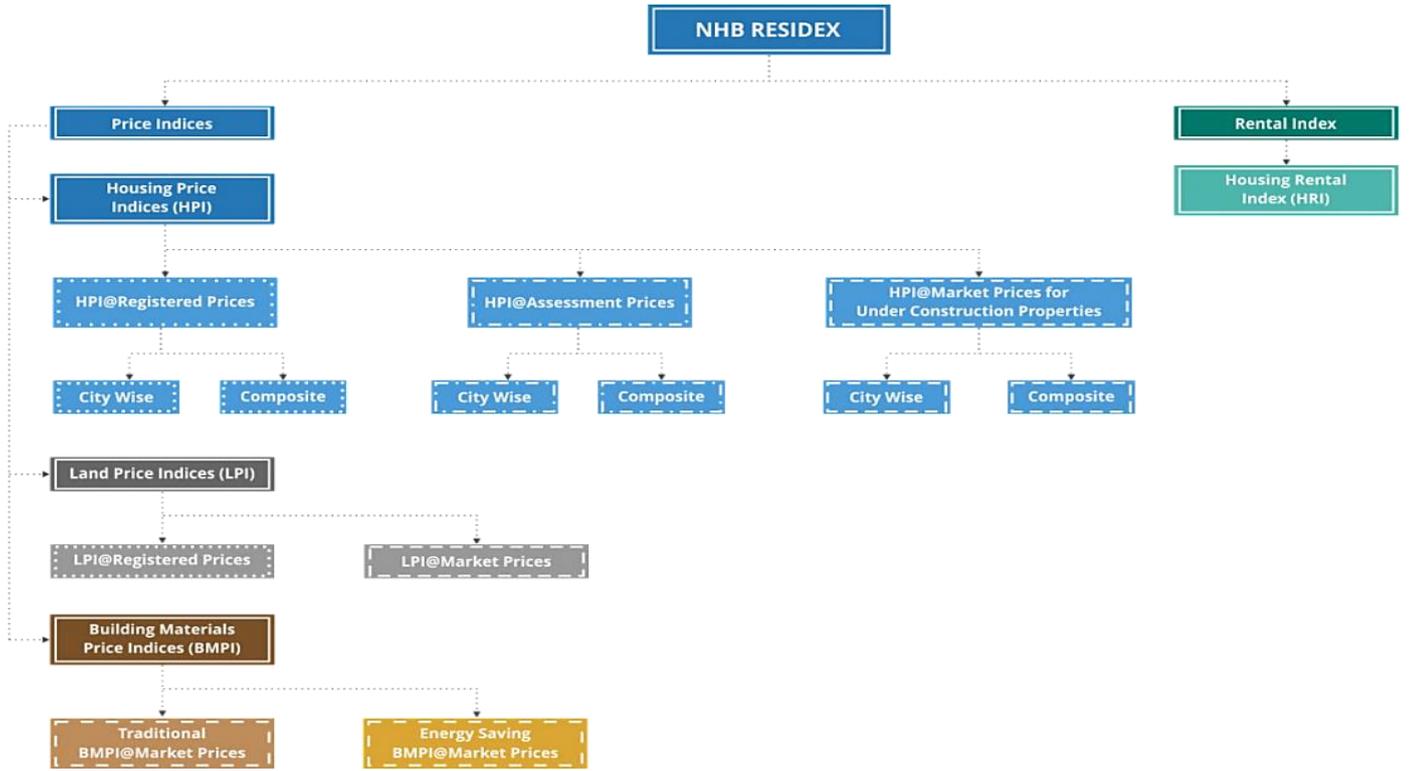




## एनएचबी रेजीडेक्स का परिचय

एनएचबी रेजीडेक्स, वर्ष 2007 को आधार वर्ष मानते हुए तिमाही आधार पर चयनित शहरों में रिहायशी संपत्तियों के मूल्यों में उतार-चढ़ाव का पता लगाने हेतु भारत का पहला आधिकारिक आवास मूल्य सूचकांक (एचपीआई), का जुलाई, 2007 को शुभारंभ किया गया था। वर्तमान व्यक्ति अर्थव्यवस्था परिदृश्य को दर्शाने के लिए एनएचबी रेजीडेक्स को अद्यतित आधार वर्ष, संशोधित कार्यप्रणाली एवं स्वचालित प्रक्रियाओं के साथ सूचकांकों के कलस्टर सहित नया रूप प्रदान किया गया है।



नए रूप में तैयार एनएचबी रेजीडेक्स अपने भौगोलिक कवरेज में भी वृहत है और दो आवास मूल्य सूचकांक अर्थात् 50 शहरों हेतु एचपीआई@ आकलन मूल्य तथा निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई@ बाजार मूल्य को शामिल करता है। एचपीआई@ आकलन मूल्य की गणना बैंकों/आवास वित्त कंपनियों (आ.वि.कं.) से प्राप्त ऋणदाताओं के मूल्यांकन डाटा के उपयोग से की जाती है, जबकि निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई@ बाजार मूल्य विकासकों, भवन निर्माताओं और ब्रोकरों से इकट्ठा किए गए निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु प्राथमिक बाजार डाटा पर आधारित है। राष्ट्रीय आवास बैंक 50 शहरों पर आधारित संयुक्त एचपीआई @ आकलन मूल्य और निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु संयुक्त एचपीआई @ बाजार मूल्य भी प्रकाशित करता है। संयुक्त सूचकांक शहरी स्तरीय सूचकांक पर जनसंख्या भार लागू करने से प्राप्त होता है।

सूचकांक	डाटा	स्रोत	शहर
एचपीआई@ आकलन मूल्य	ऋणदाताओं का मूल्यांकन डाटा	बैंक/आ.वि.कं.	50
निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई@ बाजार मूल्य	निर्माणाधीन परियोजनाओं हेतु प्राथमिक बाजार डाटा	प्राथमिक बाजार सर्वे	50



चरण 1 में शामिल शहर पूरे भारत में 21 राज्यों / केंद्र शासित प्रदेशों में फैले हुए हैं। दो एचपीआई के अंतर्गत कवर शहरों में, 18 शहर राज्य की राजधानियाँ<sup>1</sup> हैं और 33 भारत सरकार द्वारा जारी स्मार्ट सिटी सूची का हिस्सा हैं। आवास मूल्य सूचकांकों की गणना तिमाही आधार पर अप्रैल से जून, 2013 को समाप्त तिमाही से शुरू की गई है और वित्त वर्ष 2012-13 को आधार वर्ष के तौर पर मानते हुए जनवरी-मार्च, 2018 तिमाही तक अद्यतित की गई है। पिछली तिमाही से, यानी अप्रैल-जून 2018 से, आधार वर्ष को वित्त वर्ष 2017-18 में बदल दिया गया है। तीन उत्पाद श्रेणी स्तर नामतः  $\leq 60$  वर्ग मी.,  $> 60$  तथा  $\leq 110$  वर्ग मी. और  $> 110$

वर्ग मी. के अंतर्गत इकाईयों हेतु शहर स्तर (भारतीय रूपए/वर्ग फीट) पर कारपेट क्षेत्र आकार के आधार पर आवास मूल्यों को वर्गीकृत किया गया है। सूचकांकों की गणना लासपियर्स प्रणाली के उपयोग से की गई है, जिसके बाद आधार वर्ष से शुरू करते हुए सभी तिमाहियों में चार तिमाही भारित गतिशील औसत की गणना, भारित गतिशील औसत उत्पाद श्रेणी स्तर के मूल्यों पर उत्पाद श्रेणी स्तर पर गतिशील भार के अनुप्रयोग और स्थिर आधार वर्ष भार के साथ की जाती है।

<sup>1</sup> 18 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश की राजधानियों में से 15 स्मार्ट सिटी भी हैं



## सार

### अप्रैल-जून, 2021 तिमाही के दौरान एचपीआई @ आकलन मूल्य

एचपीआई ने वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कुल मिलाकर 34 शहरों में बढ़ोत्तरी, 15 शहरों में गिरावट और 1 शहर में कोई बदलाव नहीं रिकॉर्ड किया एवं तिमाही-दर-तिमाही आधार पर 24 शहरों में बढ़ोत्तरी, 8 शहरों में गिरावट और 18 शहरों में कोई बदलाव नहीं रिकॉर्ड किया गया।

एचपीआई में वार्षिक वृद्धि तिमाही की समाप्ति पर नवी मुंबई में 18% से (-) 6.9% तक है।

### 50 शहरों पर आधारित संयुक्त एचपीआई @ आकलन मूल्य

संयुक्त एचपीआई @ आकलन मूल्य जून, 2013 में 83 पर था और वर्तमान तिमाही अर्थात जून, 2021 में 114 पहुंच गया है। पिछले कुछ वर्षों में 4.0% के सीएजीआर के साथ सूचकांक बढ़ गया है।

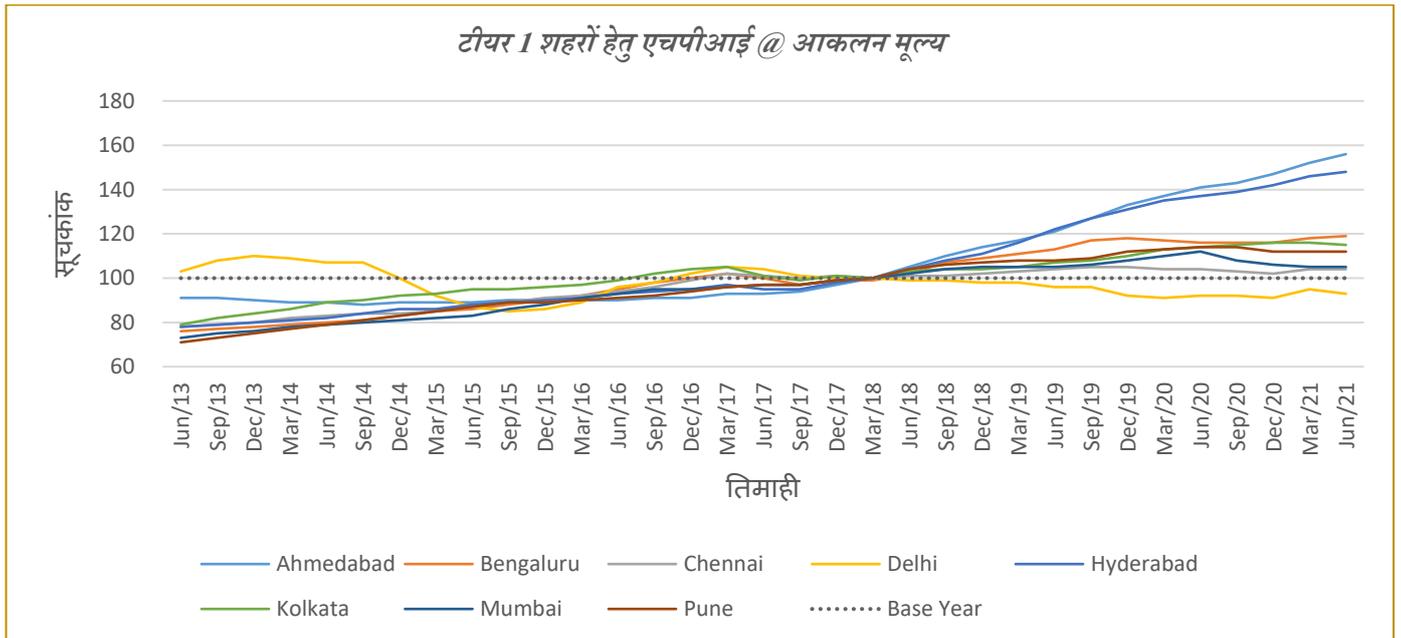
वर्ष दर वर्ष आधार पर सूचकांक में 1.8% की बढ़ोत्तरी देखी गई।

### टीयर-वार उतार-चढ़ाव

8 टीयर-1 शहरों में से, वर्ष-दर-वर्ष आधार पर अहमदाबाद में 10.6% सबसे अधिक बढ़ोत्तरी देखी गई जिसके बाद हैदराबाद 8.0%, बेंगलुरु 2.6%, दिल्ली 1.1%, कोलकाता 0.9% पर है। सूचकांक में मुंबई में सबसे अधिक गिरावट (-6.3%) देखी गयी, जिसके बाद पुणे (-1.8%) पर है। चेन्नई में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

तिमाही दर तिमाही आधार पर, अहमदाबाद में (2.6%) सबसे अधिक बढ़ोत्तरी देखी गई जिसके बाद हैदराबाद (1.4%), बेंगलुरु (0.8%) पर है, जबकि दिल्ली (-2.1%) और कोलकाता (-0.8%) में सूचकांक में गिरावट देखी गई। चेन्नई, मुंबई और पुणे में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

चित्र: टीयर 1 शहरों हेतु एचपीआई @ आकलन मूल्य (आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18=100)



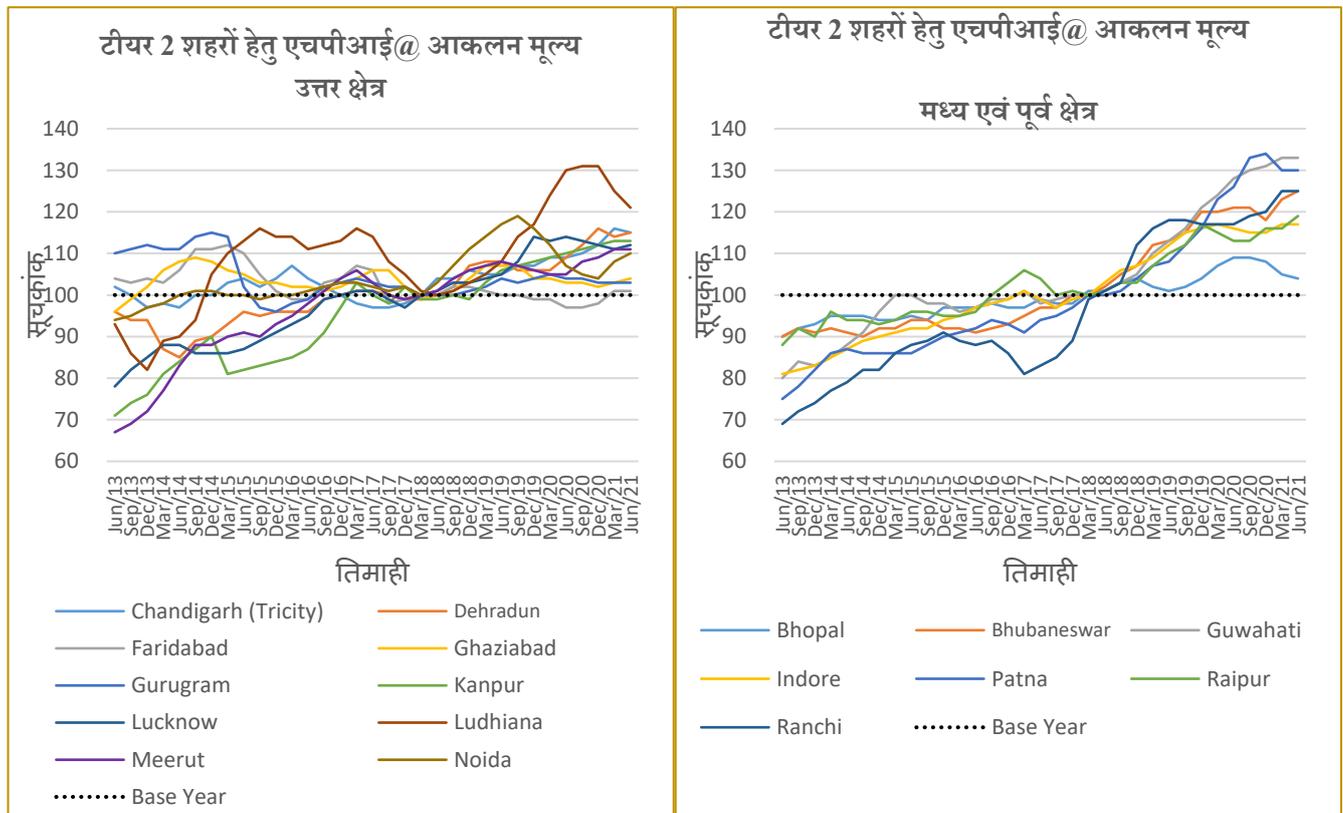


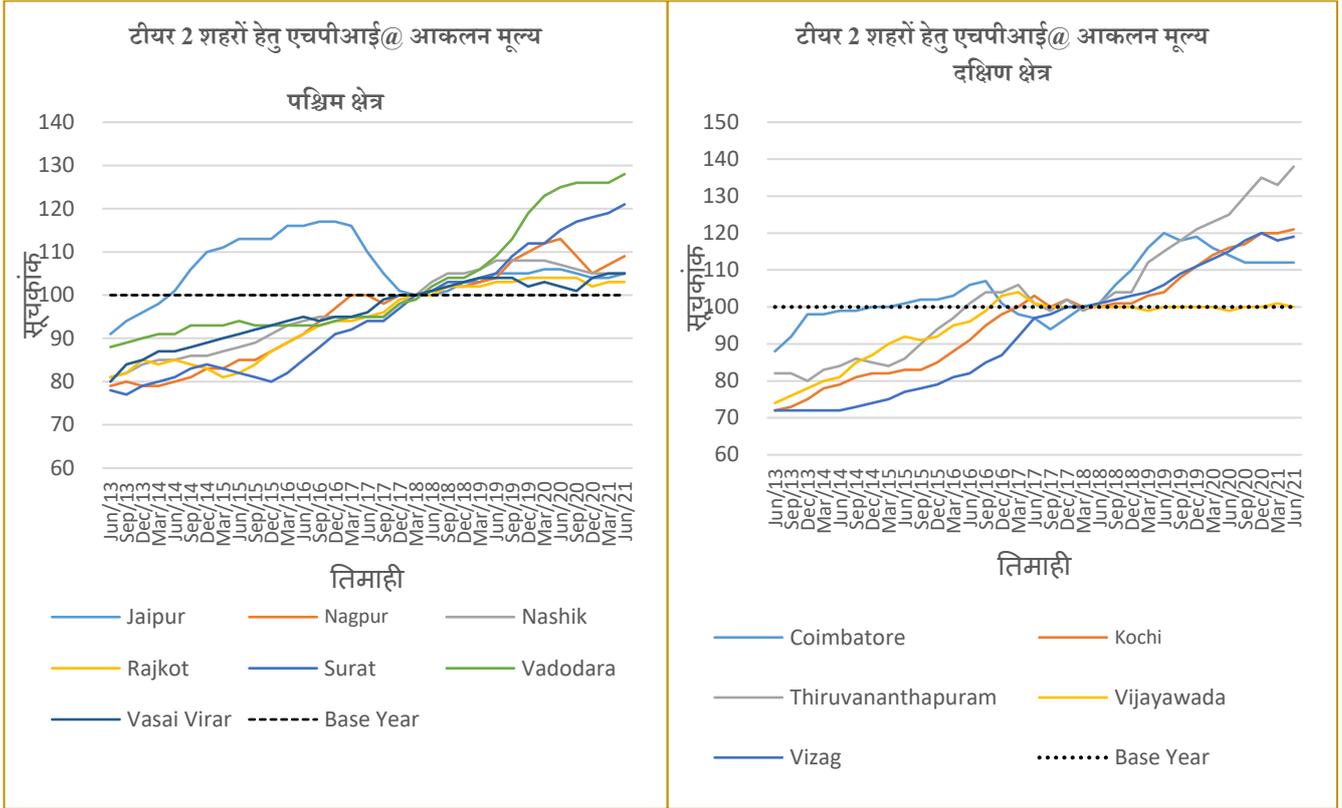
कवर किए जा रहे 29 टीयर-2 शहरों में से, वर्ष दर वर्ष आधार पर सूचकांक में तिरुवनंतपुरम (10.4%), रांची (6.8%) में जबरदस्त बढ़ोत्तरी देखी गई जिसके बाद मेरठ (5.7%), देहरादून और चंडीगढ़ (5.5%), रायपुर (5.3%) और सूरत (5.2%), पर है, जबकि सूचकांक में लुधियाना (-6.9%), भोपाल (-4.6%) और नागपुर (-3.5%) में गिरावट देखी गई।

दूसरी तरफ, तिमाही-दर-तिमाही आधार पर सूचकांक में तिरुवनंतपुरम में (3.8%) अधिकतम बढ़ोत्तरी देखी गई जिसके बाद रायपुर (2.6%), नागपुर और नोएडा (1.9%) पर है जबकि लुधियाना (-3.2%), भोपाल और विजयवाड़ा (-1.0%) में सूचकांक में जबरदस्त गिरावट देखी गई है।

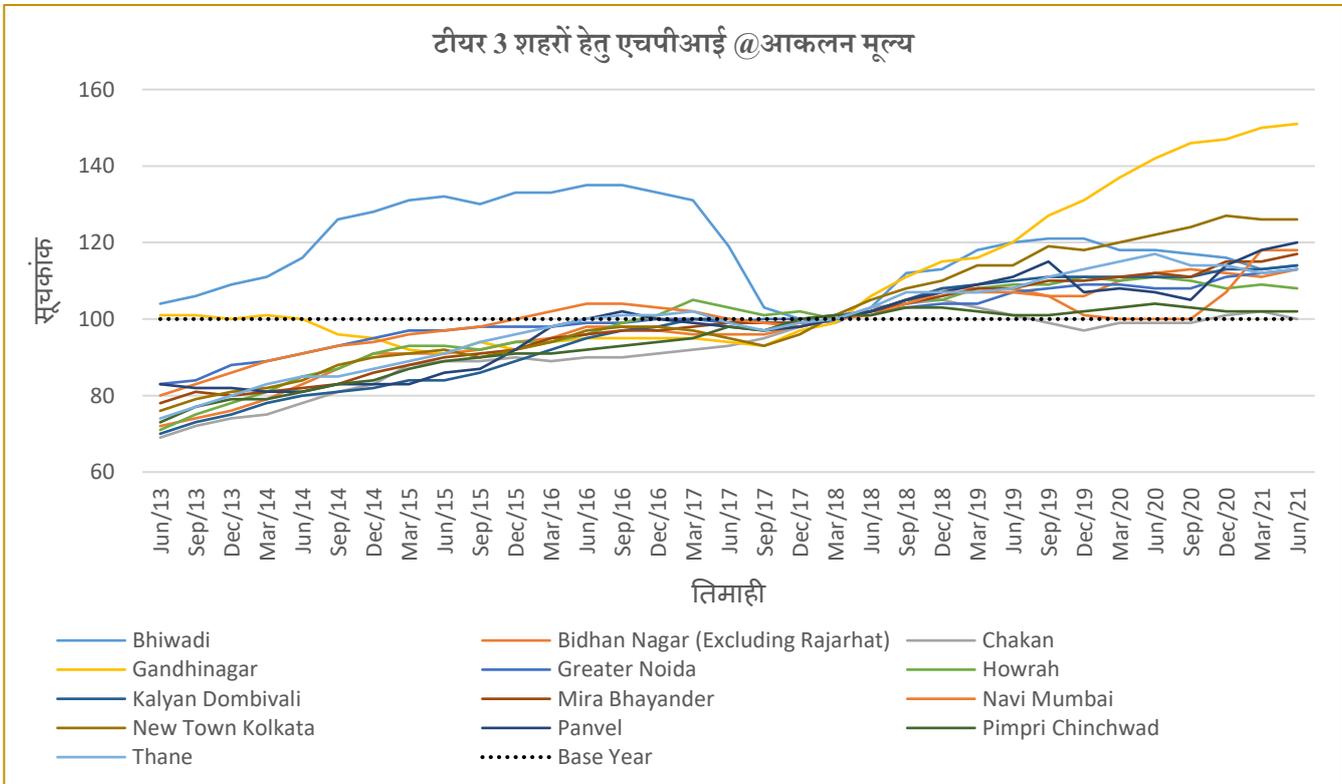
कोयंबटूर, फरीदाबाद, गुरुग्राम, गुवाहाटी, इंदौर, कानपुर, मेरठ, नासिक, पटना, रांची, राजकोट और वसई विरार में सूचकांक में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

चित्र: भौगोलिक स्थल के अनुसार वर्गीकृत टीयर 2 शहरों हेतु एचपीआई@ आकलन मूल्य (आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18=100)





चित्र: भौगोलिक स्थल के अनुसार वर्गीकृत टीयर 3 शहरों हेतु एचपीआई @ आकलन मूल्य (आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18=100)





वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, 13 टीयर-3 शहरों में से 9 में शीर्ष पर नवी मुंबई (18.0%) में बढ़ोत्तरी देखी गयी, जिसके बाद पनवेल (12.1%) और गांधीनगर (6.3%) में सूचकांक में जबरदस्त बढ़ोत्तरी देखी गयी। भिवाड़ी और ठाणे (-3.4%) में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में गिरावट देखी गई।

तिमाही-दर-तिमाही आधार पर, सूचकांक में बिधान नगर (1.8%) में सबसे अधिक बढ़ोत्तरी रिकॉर्ड की गई, जिसके बाद मीरा भायंदर और पनवेल (1.7%) पर है, जबकि चाकन (-2.0%) और हावड़ा (-0.9%) में सूचकांक में अधिकतम गिरावट रिकॉर्ड की गयी। नवी मुंबई, न्यू टाउन कोलकाता और पिंपरी चिंचवाड़ में सूचकांक में कोई बदलाव नहीं देखा गया।



## अप्रैल-जून, 2021 तिमाही के दौरान निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य

एचपीआई में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कुल मिलाकर 31 शहरों में बढ़ोत्तरी, 13 शहरों में गिरावट और 6 शहरों में कोई बदलाव नहीं रिकॉर्ड किया गया है और तिमाही दर तिमाही आधार पर 27 शहरों में बढ़ोत्तरी, 8 शहरों में गिरावट और 15 शहरों में कोई बदलाव नहीं रिकॉर्ड किया गया।

एचपीआई में वार्षिक वृद्धि अप्रैल-जून, 2021 तिमाही की समाप्ति पर पटना में 12.3% से जयपुर में (-) 7.3% तक है।

## 50 शहरों पर आधारित निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु संयुक्त एचपीआई @ बाजार मूल्य

निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु संयुक्त एचपीआई @ बाजार मूल्य जून, 2013 में 85 पर था और वर्तमान तिमाही यानी जून, 2021 में तेजी से 106 तक की बढ़ोत्तरी हुई। पिछले कुछ वर्षों में 2.8% के सीएजीआर के साथ सूचकांक बढ़ा।

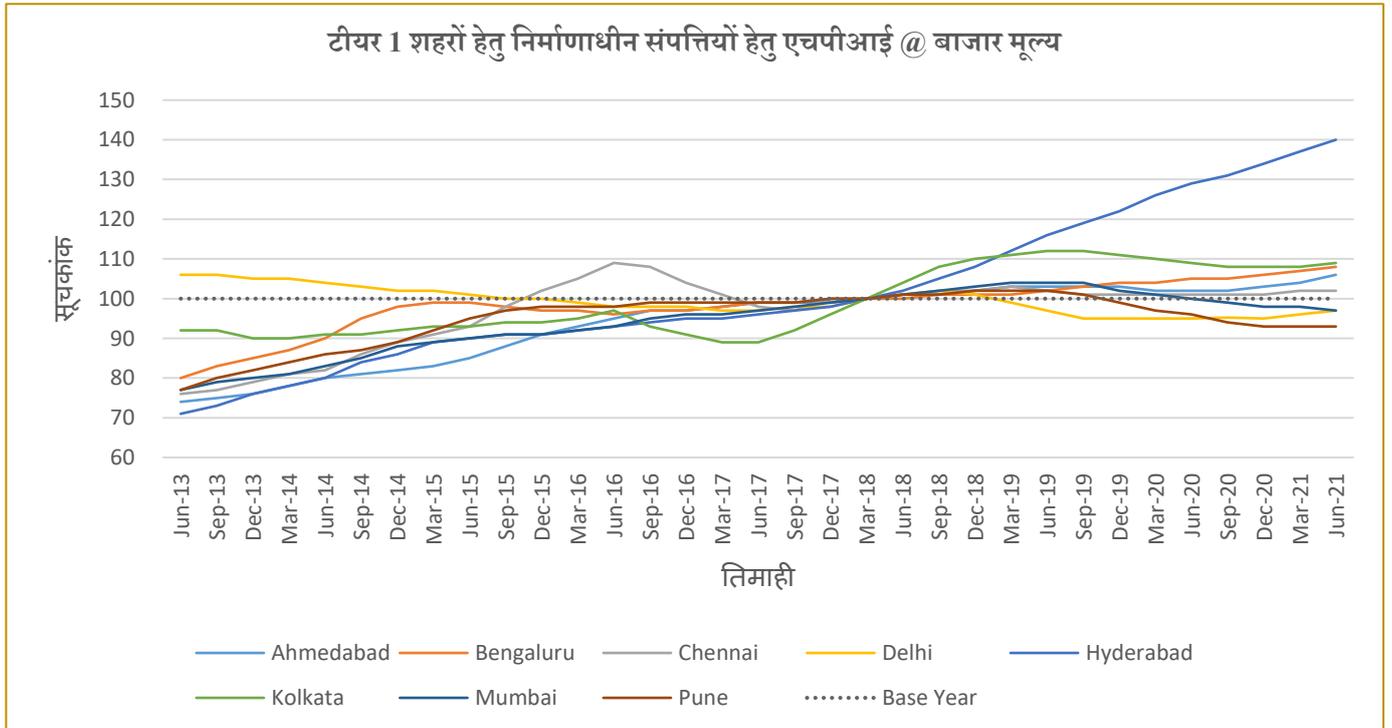
वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, सूचकांक में 1.9% की वृद्धि देखी गयी।

### टीयर-वार उतार-चढ़ाव

वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 8 टीयर-1 शहरों में से शीर्ष पर हैदराबाद में (8.5%) सबसे अधिक बढ़ोत्तरी देखी गई जिसके बाद अहमदाबाद (3.9%), बेंगलुरु (2.9%), दिल्ली (2.1%), चेन्नई (1.0%) पर है। पुणे, मुंबई में सूचकांक में क्रमशः (-) 3.1%, (-) 3.0% की गिरावट देखी गई। वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में कोलकाता में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

तिमाही आधार पर, हैदराबाद में (2.2%), की अधिकतम बढ़ोत्तरी देखी गई जिसके बाद अहमदाबाद (1.9%), दिल्ली (1.0%), और बेंगलुरु और कोलकाता (0.9%) पर है। मुंबई में सूचकांक में (-) 1.0% की गिरावट देखी गई। पुणे और चेन्नई में सूचकांक में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

चित्र: टीयर 1 शहरों हेतु निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य (आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18=100)

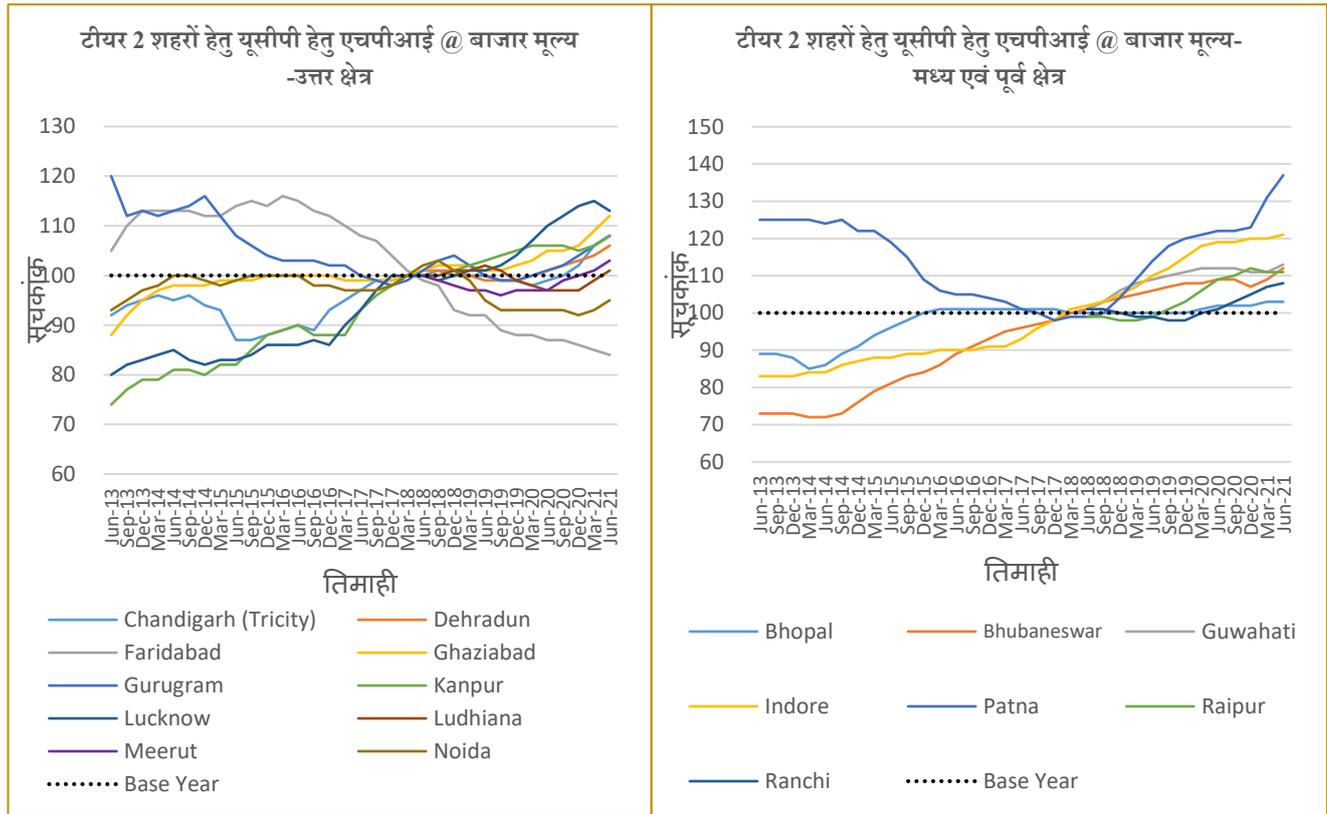


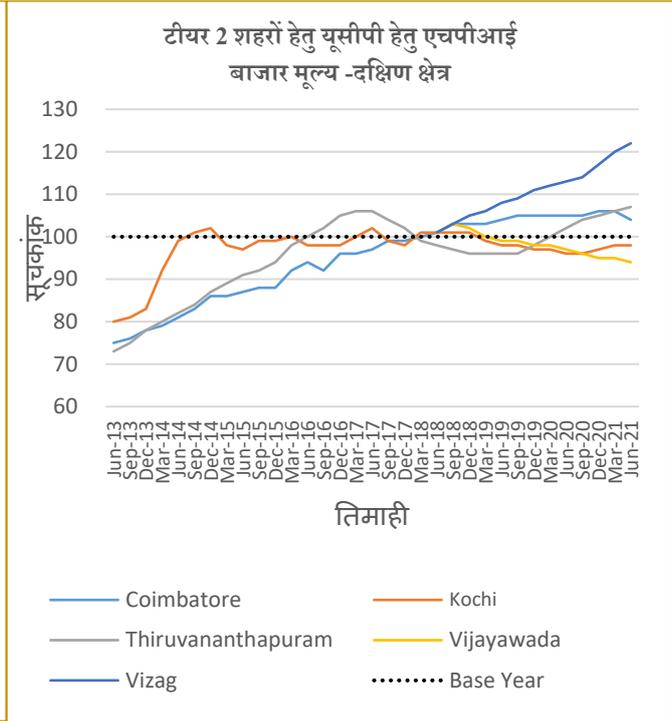
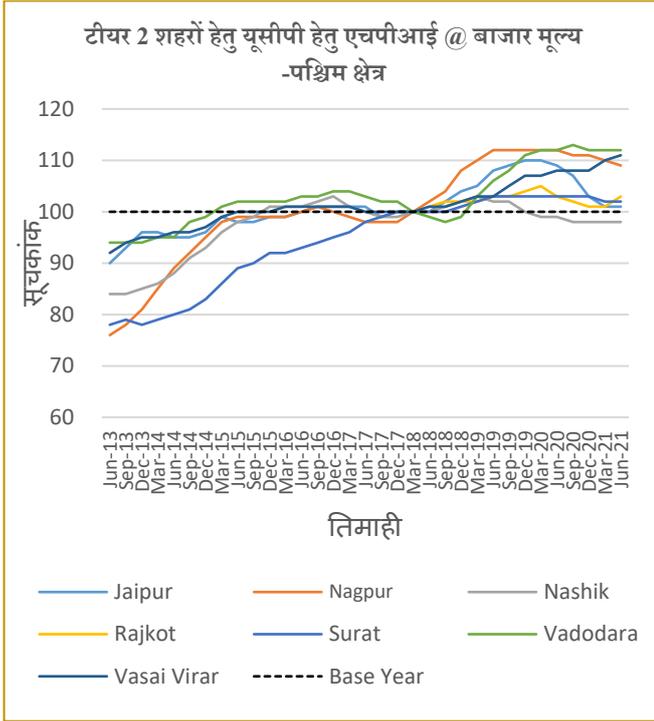


कवर किए जा रहे 29 टीयर-2 शहरों में से, वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में सबसे अधिक बढ़ोत्तरी पटना (12.3%) में देखी गई, जिसके बाद चंडीगढ़ (9.1%), विजाग (8.0%) पर है, जबकि सूचकांक में अधिकतम गिरावट जयपुर (-7.3%), फरीदाबाद (-3.4%) और विजयवाड़ा (-3.1%) में देखी गई।

तिमाही-दर-तिमाही आधार पर सूचकांक में पटना (4.6%) में अधिकतम बढ़ोत्तरी देखी गई जिसके बाद गाजियाबाद (2.8%), नोएडा (2.2%) और लुधियाना, मेरठ और राजकोट (2.0%) पर है। कोयंबटूर (-1.9%) और लखनऊ (-1.7%) में अधिकतम गिरावट देखी गयी जबकि भोपाल, जयपुर, कोच्चि, नासिक, रायपुर, सूरत और वडोदरा जैसे शहरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

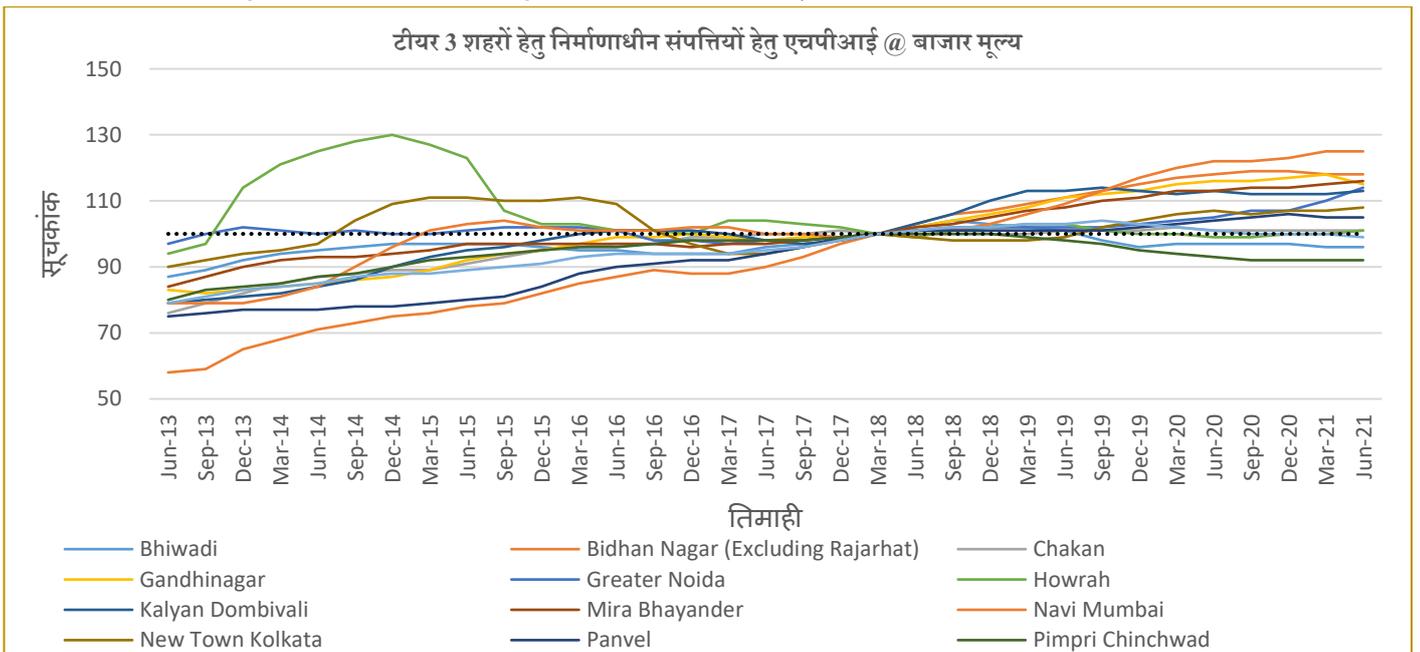
चित्र: टीयर 2 शहरों हेतु निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य (आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18=100)





13 टीयर-3 शहरों में से, वर्ष दर वर्ष आधार पर वर्ष ग्रेटर नोएडा में 8.6%, मीरा भायंदर में 2.7% से ठाणे में (-) 2.0% और पिंपरी चिंचवाड़ में (-) 1.1% तक का अंतर था। बिधान नगर, चाकन और कल्याण डोंबिवली में सूचकांक में कोई बदलाव नहीं देखा गया। तिमाही दर तिमाही आधार पर, सूचकांक में ग्रेटर नोएडा (3.6%) और हावड़ा (1.0%) में अधिकतम वृद्धि देखी गई जिसके बाद कल्याण डोंबिवली, न्यू टाउन कोलकाता और मीरा भायंदर (0.9%) पर है, जबकि गांधीनगर (-2.5%), और ठाणे (-1.0%) में सूचकांक में गिरावट देखी गयी। भिवाड़ी, बिधान नगर, चाकन, नवी मुंबई, पनवेल, और पिंपरी चिंचवाड़ जैसे शहरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

चित्र: टीयर 3 शहरों हेतु निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य (आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18=100)





## भौगोलिक प्रवृत्ति

अप्रैल-जून, 2021 तिमाही के दौरान एचपीआई @ आकलन मूल्य के अंतर्गत क्षेत्र-वार उतार-चढ़ाव

### उत्तर क्षेत्र

(भिवाड़ी, चंडीगढ़, देहरादून, दिल्ली, फरीदाबाद, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, कानपुर, लखनऊ, लुधियाना, मेरठ और नोएडा)

**तिमाही आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 6 शहरों में बढ़ोत्तरी, 3 शहरों में गिरावट और 4 शहरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। आवास मूल्य सूचकांक में नोएडा में (1.9%) बढ़ोत्तरी देखी गई जिसके बाद गाजियाबाद (1.0%), भिवाड़ी, देहरादून, ग्रेटर नोएडा और लखनऊ (0.9%) पर है। आवास मूल्य सूचकांक में लुधियाना (-3.2%), दिल्ली (-2.1%), और चंडीगढ़ (-0.9%) में गिरावट देखी गई। फरीदाबाद, गुरुग्राम, कानपुर और मेरठ में सूचकांक स्थिर रहा।

**वार्षिक आधार पर**, सूचकांक में 9 शहरों में बढ़ोत्तरी, 4 शहरों में गिरावट देखी गयी। आवास मूल्य सूचकांक में मेरठ (5.7%), चंडीगढ़ और देहरादून (5.5%), ग्रेटर नोएडा (4.6%), फरीदाबाद (4.1%), नोएडा (2.8%), कानपुर (2.7%), दिल्ली (1.1%) और गाजियाबाद (1.0%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। लुधियाना (-6.9%), भिवाड़ी (-3.4%), लखनऊ (-1.8%), गुरुग्राम (-1.0%) में सूचकांक में गिरावट देखी गई।

### पूर्व एवं मध्य क्षेत्र

(विधान नगर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हावड़ा, इंदौर, कोलकाता, न्यू टाउन कोलकाता, पटना, रायपुर और रांची)

**तिमाही आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 3 शहरों में बढ़ोत्तरी, 3 शहरों में गिरावट और 5 शहर में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। आवास मूल्य सूचकांक में रायपुर (2.6%), विधान नगर (1.8%), और भुवनेश्वर (1.6%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। आवास मूल्य सूचकांक में भोपाल (-1.0%), हावड़ा और कोलकाता (-0.9%) में गिरावट देखी गयी। गुवाहाटी, इंदौर, न्यू टाउन कोलकाता, पटना और रांची में सूचकांक स्थिर रहा।

**वार्षिक आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 9 शहरों में बढ़ोत्तरी और 2 शहर में गिरावट देखी गयी। सूचकांक में शहरों में यथा रांची (6.8%), रायपुर (5.3%), गुवाहाटी (3.9%), भुवनेश्वर और न्यू टाउन कोलकाता (3.3%), पटना (3.2%), विधान नगर, इंदौर और कोलकाता (0.9%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। दूसरी तरफ, सूचकांक में यथा शहर भोपाल (-4.6%) और हावड़ा (-2.7%) में गिरावट देखी गई।

### पश्चिम क्षेत्र

(अहमदाबाद, चाकन, गांधीनगर, जयपुर कल्याण डोंबिवली, मीरा भायंदर, मुंबई, नागपुर, नासिक, नवी मुंबई, पनवेल, पिंपरी चिंचवाड़, पुणे, राजकोट, सूरत, ठाणे, वड़ोदरा, और वसई विरार)

**तिमाही आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 10 शहरों में बढ़ोत्तरी, 1 शहर में गिरावट और 7 शहरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। आवास मूल्य सूचकांक में अहमदाबाद (2.6%), नागपुर (1.9%), मीरा भायंदर, पनवेल और सूरत (1.7%), वड़ोदरा (1.6%), जयपुर (1.0%), कल्याण डोंबिवली और ठाणे (0.9%), और गांधीनगर (0.7%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। सूचकांक में



चाकन (-2.0%) में गिरावट देखी गयी। मुंबई, नासिक, नवी मुंबई, पिंपरी चिंचवाड़, पुणे , राजकोट और वसई विरार में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

**वार्षिक आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 10 शहरों में बढ़ोत्तरी और 8 शहरों में गिरावट देखी गई है। सूचकांक में शहरों में यथा नवी मुंबई (18.0%), पनवेल (12.1%), अहमदाबाद (10.6%), गांधीनगर (6.3%), सूरत (5.2%), मीरा भायंदर (4.5%), वसई विरार (2.9%), कल्याण डोंबिवली (2.7%), वडोदरा (2.4%), और चाकन (1.0%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। दूसरी तरफ, सूचकांक में शहरों में मुंबई (-6.3%), नागपुर (-3.5%), ठाणे (-3.4%), नासिक और पिंपरी चिंचवाड़ (-1.9%), पुणे (-1.8%), राजकोट (-1.0%) और जयपुर (-0.9%) में गिरावट देखी गयी।

### दक्षिण क्षेत्र

(बेंगलूरु, चेन्नई, कोयंबटूर, हैदराबाद, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम)

**तिमाही आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 5 शहरों में बढ़ोत्तरी एवं 1 शहर में गिरावट और 2 शहर में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। आवास मूल्य सूचकांक में तिरुवनंतपुरम (3.8%), हैदराबाद (1.4%), बेंगलूरु, कोच्चि और विशाखापत्तनम (0.8%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। आवास मूल्य सूचकांक में कोयंबटूर और चेन्नई में कोई बदलाव नहीं देखा गया। सूचकांक में विजयवाड़ा (-1.0%) में गिरावट देखी गई।

**वार्षिक आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 6 शहरों में बढ़ोत्तरी और 1 शहर में गिरावट और 1 शहर में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। सूचकांक में शहरों यथा तिरुवनंतपुरम (10.4%), हैदराबाद (8.0%), कोच्चि (4.3%), विशाखापत्तनम (3.5%), बेंगलूरु (2.6%) और विजयवाड़ा (1.0%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। सूचकांक में कोयंबटूर (-1.8%), में गिरावट देखी गई। सूचकांक में चेन्नई में कोई बदलाव नहीं देखा गया।



## अप्रैल-जून, 2021 तिमाही के दौरान निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य के अंतर्गत क्षेत्र-वार उतार-चढ़ाव

### उत्तर क्षेत्र

(भिवाड़ी, चंडीगढ़, देहरादून, दिल्ली, फरीदाबाद, गाजियाबाद, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम, कानपुर, लखनऊ, लुधियाना, मेरठ, और नोएडा)

**तिमाही आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 10 शहरों में बढ़ोत्तरी, 2 शहरों में गिरावट और एक शहर में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। आवास मूल्य सूचकांक में ग्रेटर नोएडा (3.6%) में बढ़ोत्तरी देखी गई जिसके बाद गाजियाबाद (2.8%), नोएडा (2.2%), लुधियाना और मेरठ (2.0%), चंडीगढ़, देहरादून, गुरुग्राम, और कानपुर (1.9%), और दिल्ली (1.0%) पर है। सूचकांक में लखनऊ (-1.7%) और फरीदाबाद (-1.2%) में गिरावट देखी गई। भिवाड़ी में सूचकांक स्थिर रहा।

**वार्षिक आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 11 शहरों में बढ़ोत्तरी, 2 शहरों में गिरावट देखी गयी। सूचकांक में चंडीगढ़ (9.1%), ग्रेटर नोएडा (8.6%), गुरुग्राम (6.9%), गाजियाबाद (6.7%), मेरठ (6.2%) देहरादून (5.0%), लुधियाना (4.1%), लखनऊ (2.7%), नोएडा (2.2%), दिल्ली (2.1%) और कानपुर (1.9%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। फरीदाबाद (-3.4%), और भिवाड़ी (-1.0%) में सूचकांक में गिरावट देखी गई।

### पूर्व एवं मध्य क्षेत्र

(विधान नगर, भोपाल, भुवनेश्वर, गुवाहाटी, हावड़ा, इंदौर, कोलकाता, न्यू टाऊन कोलकाता, पटना, रायपुर, और रांची)

**तिमाही आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 8 शहरों में बढ़ोत्तरी और 3 शहरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया। आवास मूल्य सूचकांक में पटना (4.6%), भुवनेश्वर (2.8%), गुवाहाटी (1.8%), हावड़ा (1.0%), कोलकाता, न्यू टाऊन कोलकाता और रांची (0.9%) और इंदौर (0.8%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। भोपाल, बिधान नगर, और रायपुर में सूचकांक स्थिर रहा।

**वार्षिक आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 9 शहरों में बढ़ोत्तरी और 2 शहरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया। सूचकांक में 9 शहरों यथा पटना (12.3%), रांची (6.9%), भुवनेश्वर (2.8%), हावड़ा (2.0%), रायपुर (1.8%), इंदौर (1.7%), भोपाल (1.0%) गुवाहाटी और न्यू टाऊन कोलकाता (0.9%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। सूचकांक बिधान नगर और कोलकाता में स्थिर रहा।

### पश्चिम क्षेत्र

(अहमदाबाद, चाकन, गांधीनगर, जयपुर, कल्याण डोंबिवली, मीरा भायंदर, मुंबई, नागपुर, नासिक, नवी मुंबई, पनवेल, पिंपड़ी चिंचवाड़, पुणे, राजकोट, सूरत, ठाणे, वडोदरा, और वसई विरार)

**तिमाही आधार पर**, सूचकांक में कुल मिलाकर 5 शहरों में बढ़ोत्तरी, 9 शहरों में कोई बदलाव नहीं और 4 शहरों में गिरावट देखी गई। आवास मूल्य सूचकांक में राजकोट (2.0%), अहमदाबाद (1.9%), कल्याण डोंबिवली, मीरा भायंदर और वसई विरार (0.9%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। सूचकांक में चाकन, जयपुर, नासिक, नवी मुंबई, पनवेल, पिंपरी चिंचवाड़, पुणे, सूरत और वडोदरा स्थिर रहा। आवास मूल्य सूचकांक में गांधीनगर (-2.5%), मुंबई और ठाणे (-1.0%) और नागपुर (-0.9%) में गिरावट स्पष्ट थी।



**वार्षिक आधार पर,** सूचकांक में कुल मिलाकर 5 शहरों में बढ़ोत्तरी, 9 शहरों में गिरावट और 4 शहरों में कोई बदलाव नहीं देखी गई है। सूचकांक में शहरों यथा अहमदाबाद (3.9%), वसई विरार (2.8%), मीरा भायंदर (2.7%), नवी मुंबई (2.5%), और पनवेल (1.0%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। दूसरी तरफ, सूचकांक में जयपुर (-7.3%), पुणे (-3.1%), मुंबई (-3.0%), नागपुर (-2.7%), ठाणे (-2.0%), पिंपरी चिंचवाड़ (-1.1%), नासिक और सूरत (-1.0%), गांधीनगर (-0.9%) में गिरावट देखी गई। चाकन, कल्याण डोंबिवली, राजकोट और वडोदरा में सूचकांक स्थिर रहा।

### दक्षिण क्षेत्र

(बेंगलूरु, चेन्नई, कोयंबटूर, हैदराबाद, कोच्चि, तिरुवनंतपुरम, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम)

**तिमाही आधार पर,** सूचकांक में कुल मिलाकर 4 शहरों में बढ़ोत्तरी, 2 शहरों में गिरावट एवं 2 शहरों में कोई बदलाव नहीं देखा गया है। आवास मूल्य सूचकांक में हैदराबाद (2.2%), विशाखापत्तनम (1.7%), बेंगलुरु एवं तिरुवनंतपुरम (0.9%), में बढ़ोत्तरी देखी गई। सूचकांक में कोयंबटूर (-1.9%) एवं विजयवाड़ा (-1.1%) में गिरावट देखी गई। चेन्नई और कोच्चि में सूचकांक में कोई बदलाव नहीं देखा गया।

**वार्षिक आधार पर,** सूचकांक में कुल मिलाकर 6 शहरों में बढ़ोत्तरी और 2 शहरों में गिरावट देखी गई। सूचकांक में शहरों यथा हैदराबाद (8.5%), विशाखापत्तनम (8.0%), तिरुवनंतपुरम (4.9%), बेंगलुरु (2.9%), कोच्चि (2.1%) और चेन्नई (1.0%) में बढ़ोत्तरी देखी गई। सूचकांक में कोयंबटूर (-1.0%) और विजयवाड़ा (-3.1%) में गिरावट देखी गई।